Date
24/04/2020

Subject- समकालीन भारत और शिक्षा

B.Ed. Ist Year

(Some Short points)

41) उत्तर वैदिक काल में वर्ण आधारित कर्म व्यवस्था थी।

42) उत्तर वैदिक काल तथा प्रारम्भिक वैदिक काल में दो समानताएँ कौन सी थी।

1) दोनों कालो मे धार्मिक तथा नैतिक शिक्षा पर सर्वाधिक बल रहा।

2) दोनों कालों में शिक्षा का माध्यम विशुद्ध संस्कृत थी और शिक्षण मौखिक रूप से होता था।

43) वैदिक शिक्षा प्रणाली के गुण निःशुल्क शिक्षा, शिक्षा का व्यापक अर्थ, शिक्षा के व्यापक उद्देश्य, शिक्षा की व्यापक पाठ्यचर्या, विशिष्टीकरण, उत्तम शिक्षण विधियों का विकास गुरू एवम् शिष्यो का अनुशासित जीवन,

44) वैदिक कालीन शिक्षा के दोष, शिक्षा राज्य का उत्तरदायित्व नहीं, आय के अनिश्चित स्रोत तथा भिक्षाटन। कठोर अनु०

45) धार्मिक एवम् नैतिक शिक्षा की सर्वप्रथम शुरूवात वैदिक शिक्षा में ही की गई थी।

46) वैदिक काल मे शिक्षा का मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक उन्नति था।

47) वैदिक काल मे शिक्षा का मुख्य ~~केन्द्र~~ केन्द्र तक्षशिला था।

48) टोल में संस्कृत की शिक्षा दी जाती थी। एक टोल में एक शिक्षक होता था।

topic - Continue.....

→ P.T.O

Scanned with CamScanner

उपनयन संस्कार → वैदिककाल में गुरुकुलों में भिन्न २ वर्ण के बच्चों का प्रवेश भिन्न २ आयु पर होता था - ब्राह्मण वर्ण के लिए ८ वर्ष, क्षत्रिय वर्ण के बच्चों के लिए १० वर्ष और वैश्य वर्ण के लिए १२ वर्ष की आयु पर। प्रवेश के समय सभी बच्चों का उपनयन संस्कार होता था। उपनयन का अर्थ है समीप लाना अर्थात बच्चे को गुरु के सम्मुख उपस्थित किया जाता था। गुरु बच्चे से प्रश्न करता था - 'कस्य ब्रह्मचारी असि' अर्थात् तुम किसके शिष्य हो। बच्चा उत्तर देता था - 'भवतः' अर्थात् आपका। इसके बाद बच्चे को यज्ञवेदी के सामने आसन पर बैठाया जाता था, वेद मंत्रों से देव आराधना की जाती थी और बच्चे को जनेऊ धारण कराया जाता था। इसके उपरान्त बच्चा गुरुकुलों के नियमों और ब्रह्मचर्यव्रत के पालन का वचन देता था और गुरु उसे गुरुकुलों के शिष्यों के रूप में स्वीकार कर उसके आवास, भोजन एवं सर्वांगीण विकास का उत्तरदायित्व लेता था।

समापवर्तन संस्कार :- शिक्षा पूरी होने के उपरान्त समापवर्तन समारोह होता था। समापवर्तन का शाब्दिक अर्थ है - घर लौटना। समापवर्तन समारोह में छात्रों को ब्रह्मचारी वस्त्र उतारकर गृहस्थ वस्त्र पहनाए जाते थे। इसके बाद गुरु उन्हें यज्ञवेदी के सामने बैठाते थे। वेद मंत्रों से देवताओं की आराधना होती थी। इसके बाद गुरु शिष्यों को उपदेश (दीक्षान्त भाषण) देते थे। वे उन्हें गृहस्थ जीवन के कर्त्तव्य पालन, समाज सेवा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य पालन का उपदेश देते थे, और अध्ययन में कभी आलस्य न करने का उपदेश देते थे।

वैदिक कालीन शिक्षण विधियाँ :- (1) अनुकरण, आवृत्ति एवं कण्ठस्थ विधि
(2) व्याख्या एवं दृष्टान्त विधि
(3) कथन, प्रदर्शन एवं अभ्यास विधि
(4) प्रश्नोत्तर, वाद-विवाद और शास्त्रार्थ विधि
(5) श्रवण, मनन विधि (6) तर्क विधि (7) कहानी विधि।

Scanned with CamScanner

③ # बौद्ध शिक्षा प्रणाली

1) बौद्ध शिक्षा प्रणाली 500 ई० पू० से 1200 ई० तक रहा।
2) महात्मा बुद्ध ने चार सत्यों की खोज की।
(A) जीवन दुःखो से पूर्ण है।
(B) दुःखो का कारण विद्यमान है।
(C) इन दुःखो का अन्त सम्भव है।
(D) इन दुःखो के अन्त का उपाय है।
3) महात्मा बुद्ध ने अपना यह धर्मोपदेश सर्वप्रथम वाराणसी से 8 km दूर सारनाथ स्थान पर दिया था।
4) इस काल में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा एक नई शिक्षा प्रणाली का विकास किया गया जिसे बौद्ध शिक्षा प्रणाली कहते है।
5) बौद्ध काल में शिक्षा पर बौद्ध संघों का नियन्त्रण था।
6) बौद्ध काल मे शिक्षा संस्थाओं को शासन का सहयोग वैदिक काल की अपेक्षा अधिक प्राप्त हुआ।
7) बौद्ध काल मे प्राथमिक शिक्षा निःशुल्क तथा उच्च शि सशुल्क था।
8) बौद्ध काल मे प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था बौद्ध मठो एवं विहारो में की जाती थी।
9) यह 8 वर्ष से 12 वर्ष की आयु तक चलती थी।
10) उच्च शिक्षा 12 वर्ष से 20 वर्ष तक चलती थी।
11) भिक्षु शिक्षा :- उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद जो छा बौद्ध धर्म के प्रचार एवम् प्रसार में लगन चाहते थे उन्हें उपसम्पदा संस्कार के बाद भिक्षु शिक्षा मे प्रवेश दिया जाता था। यह शिक्षा 8 वर्ष की अवधि की थ
12) बौद्ध काल में शिक्षा का अर्थ या तात्पर्य बौद्ध मठों तथा विहारो मे चलने वाली शिक्षा से लिया जाता ह
13) शिक्षा ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया के रूप मे स्वीक की जाने लगी थी।
14) बौद्ध काल में शिक्षा का माध्यम पाली भाषा।
15) प्राथमिक स्तर पर सर्वप्रथम सिद्धरस्त नामक पोथी के 49 अक्षरों का ज्ञान कराया जाता था। अवधि 4 वर्ष
16) उच्च शिक्षा की अवधि 8 वर्ष थी इसमें छात्रों को धर्म, दर्शन, व्याकरण तथा ज्योतिषशास्त्र का सामान्य ज्ञान कराया जाता था।

Continue---

Nidhi Tyagi
24/04/2020

Scanned with CamScanner